

---

# Sharadabhujangaprayatashtakam

---

## शारदाभुजङ्गप्रयाताष्टकम्

---

### Document Information

Text title : shaaradaabhujangaprayatashtakam

File name : shaaradaabhujangaprayatashtakam.itx

Category : devii, sarasvatI, bhujanga, shankarAchArya, devI, aShTaka

Location : doc\_devii

Author : Popular stotra

Transliterated by : Savithri D. savdev at hotmail.com

Proofread by : Savithri D. savdev at hotmail.com

Latest update : June 24, 2000

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 21, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

शारदाभुजङ्गप्रयाताष्टकम्



सुवक्षोजकुम्भां सुधापूर्णकुंभां  
प्रसादावलम्बां प्रपुण्यावलम्बाम् ।  
सदास्येन्दुबिम्बां सदानोष्ठबिम्बां  
भजे शारदाम्बामजस्रं मदम्बाम् ॥ १ ॥

कटाक्षे दयार्द्रां करे ज्ञानमुद्रां  
कलाभिर्विनिद्रां कलापैः सुभद्राम् ।  
पुरस्त्रीं विनिद्रां पुरस्तुङ्गभद्रां  
भजे शारदाम्बामजस्रं मदम्बाम् ॥ २ ॥

ललामाङ्गफालां लसद्गानलोलां  
स्वभक्तैकपालां यशःश्रीकपोलाम् ।  
करे त्वक्षमालां कनत्प्रललोलां  
भजे शारदाम्बामजस्रं मदम्बाम् ॥ ३ ॥

सुसीमन्तवेणीं दृशा निर्जितैणीं  
रमत्कीरवाणीं नमद्वज्रपाणीम् ।  
सुधामन्थरास्यां मुदा चिन्त्यवेणीं  
भजे शारदाम्बामजस्रं मदम्बाम् ॥ ४ ॥

सुशान्तां सुदेहां दृगन्ते कचान्तां  
लसत्सल्लताङ्गीमनन्तामचिन्त्याम् ।  
स्मरेत्तापसैः सङ्गपूर्वस्थितां तां  
भजे शारदाम्बामजस्रं मदम्बाम् ॥ ५ ॥

कुरङ्गे तुरङ्गे मृगेन्द्रे खगेन्द्रे  
मराले मदेभे महोक्षेऽधिरूढाम् ।  
महत्यां नवम्यां सदा सामरूपां  
भजे शारदाम्बामजस्रं मदम्बाम् ॥ ६ ॥


ज्वलत्कान्तिवह्निं जगन्मोहनाङ्गीं  
भजे मानसाम्भोजसुभ्रान्तभृङ्गीम् ।  
निजस्तोत्रसङ्गीतनृत्यप्रभाङ्गीम्  
भजे शारदाम्बामजस्रं मदम्बाम् ॥ ७ ॥

भवाम्भोजनेत्राजसम्पूज्यमानां  
लसन्मन्दहासप्रभावक्रचिहाम् ।  
चलच्चञ्चलाचारुताटङ्ककर्णां  
भजे शारदाम्बामजस्रं मदम्बाम् ॥ ८ ॥

इति श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यस्य  
श्रीगोविन्दभगवत्पूज्यपादशिष्यस्य  
श्रीमच्छङ्करभगवतः कृतौ  
शारदाभुजङ्गप्रयाताष्टक सम्पूर्णम् ॥

Savithri D savdev at hotmail.com

---

——  
*Sharadabhujangaprayatashtakam*  
pdf was typeset on August 21, 2020

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

